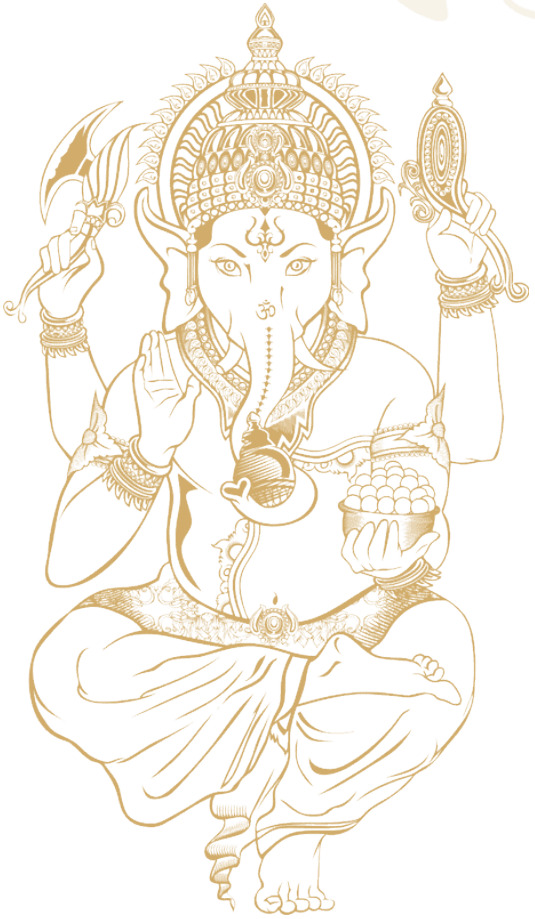

Mr.

17 Jun 2002

09:10 AM

Mau

Model: web-freekundliweb

Order No: 121508002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/06/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:10:00 घंटे**
इष्ट	10:14:48 घटी
स्थान	**Mau**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:57:00 उत्तर
रेखांश	83:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:04:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:12 घंटे
वेलान्तर	-00:00:49 घंटे
साम्पातिक काल	02:55:07 घंटे
सूर्योदय	05:04:04 घंटे
सूर्यास्त	18:49:13 घंटे
दिनमान	13:45:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:54:29 मिथुन
लग्न के अंश	25:02:04 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	25:02:04	314:22:31	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
सूर्य			मिथु	01:54:29	00:57:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	सम राशि
चंद्र			सिंह	20:24:30	14:10:49	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मिथु	18:59:19	00:39:03	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			वृष	10:10:52	00:37:52	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	26:02:41	00:12:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	08:48:58	01:10:10	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि		अ	वृष	25:33:56	00:07:46	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:55:55	00:00:31	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:55:55	00:00:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:52:07	00:00:41	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:47:06	00:01:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:07:26	00:01:35	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	22:21:19	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:12

लग्न-चलित

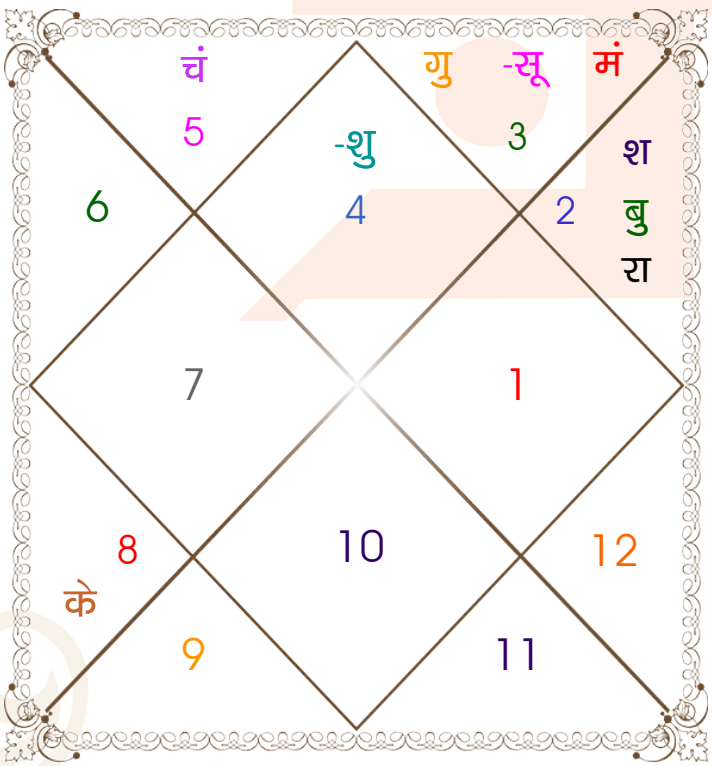

चन्द्र कुंडली

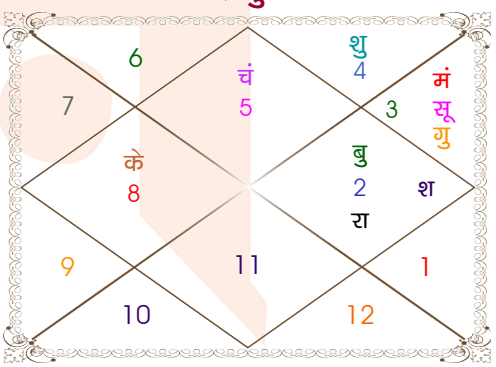

नवमांश कुंडली

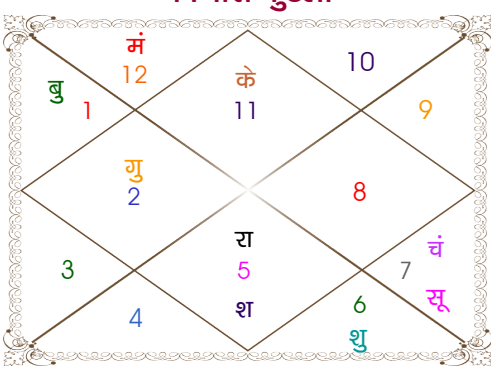

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 4 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/06/2002		06/11/2011		05/11/2017		06/11/2027		05/11/2034	
06/11/2011		05/11/2017		06/11/2027		05/11/2034		05/11/2052	
	00/00/0000	सूर्य	23/02/2012	चंद्र	05/09/2018	मंगल	03/04/2028	राहु	19/07/2037
	00/00/0000	चंद्र	24/08/2012	मंगल	07/04/2019	राहु	21/04/2029	गुरु	12/12/2039
	00/00/0000	मंगल	30/12/2012	राहु	05/10/2020	गुरु	28/03/2030	शनि	18/10/2042
	00/00/0000	राहु	23/11/2013	गुरु	04/02/2022	शनि	07/05/2031	बुध	06/05/2045
	17/06/2002	गुरु	12/09/2014	शनि	06/09/2023	बुध	03/05/2032	केतु	25/05/2046
गुरु	05/09/2004	शनि	25/08/2015	बुध	04/02/2025	केतु	29/09/2032	शुक्र	25/05/2049
शनि	06/11/2007	बुध	30/06/2016	केतु	05/09/2025	शुक्र	29/11/2033	सूर्य	18/04/2050
बुध	05/09/2010	केतु	05/11/2016	शुक्र	07/05/2027	सूर्य	06/04/2034	चंद्र	18/10/2051
केतु	06/11/2011	शुक्र	05/11/2017	सूर्य	06/11/2027	चंद्र	05/11/2034	मंगल	05/11/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/11/2052		05/11/2068		06/11/2087		06/11/2104		07/11/2111	
05/11/2068		06/11/2087		06/11/2104		07/11/2111		00/00/0000	
गुरु	24/12/2054	शनि	09/11/2071	बुध	03/04/2090	केतु	04/04/2105	शुक्र	08/03/2115
शनि	06/07/2057	बुध	19/07/2074	केतु	31/03/2091	शुक्र	04/06/2106	सूर्य	07/03/2116
बुध	12/10/2059	केतु	28/08/2075	शुक्र	29/01/2094	सूर्य	10/10/2106	चंद्र	06/11/2117
केतु	17/09/2060	शुक्र	27/10/2078	सूर्य	06/12/2094	चंद्र	11/05/2107	मंगल	06/01/2119
शुक्र	19/05/2063	सूर्य	09/10/2079	चंद्र	06/05/2096	मंगल	07/10/2107	राहु	06/01/2122
सूर्य	06/03/2064	चंद्र	10/05/2081	मंगल	03/05/2097	राहु	25/10/2108	गुरु	18/06/2122
चंद्र	06/07/2065	मंगल	18/06/2082	राहु	21/11/2099	गुरु	01/10/2109		00/00/0000
मंगल	12/06/2066	राहु	24/04/2085	गुरु	27/02/2102	शनि	09/11/2110		00/00/0000
राहु	05/11/2068	गुरु	06/11/2087	शनि	06/11/2104	बुध	07/11/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।